ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण

मारक क्षमता 400 किमी से ज्यादा हुई

आत्म निर्भर भारत के संकल्प को साकार करते हुए, भारत ने शक्तिशाली ब्रह्मोस सुपर-सोनिक क्रूज मिसाइल के उन्नत संस्करण का सफल परीक्षण किया ।

परीक्षण–

ओडिशा के बालासोर से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा पीजे–10 प्रोजेक्ट के अंतर्गत

ब्रह्मोस

ब्रह्मोस एक कम दूरी की रैमजेट, सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। इसे रूस की एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया (NPO Mashinostroeyeni) तथा भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। यह रूस की पी–800 ओंकिस क्रूज मिसाइल की प्रौद्योगिकी पर आधारित है।

ब्रह्मोस नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मस्कवा नदी पर रखा गया है।

विशेषताएँ

मिसाइल की मारक क्षमता 290 km से बढ़कर 400 km हो गयी है और यह 300 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री अपने साथ ले जा सकता है।

मिसाइल की गति ध्वनि की गति से करीब तीन गुना अधिक है।

यह हवा में ही मार्ग बदल सकती है और चलते फिरते लक्ष्य को भी भेद सकती है।

यह मिसाइल तकनीक थलसेना, जलसेना और वायुसेना तीनों के काम आ सकती है।

ब्रह्मोस अमरीका की टाम हॉक से लगभग दुगनी अधिक तेजी से वार कर सकती है, इसकी प्रहार क्षमता भी टाम हॉक से अधिक है।

Galaxy
Achieve Your Goal